वर्साय की सन्धि -२

लंबी चर्चा के बाद आखिरकार सहमति बन गई। 28 जून 1919 को संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए जर्मनों को वर्साय बुलाया गया।

हालांकि,अंतिम संधि विल्सन के चौदह बिंदुओं से बहुत कम समानता रखती है:

हालाँकि जर्मनी इस संधि से खुश नहीं था लेकिन उनके पास हस्ताक्षर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। यह कार्टून स्पष्ट रूप से दिखाता है कि जर्मनी किस स्थिति में था।

वर्साय की संधि की शर्तें

अंतिम संधि में कुल 440 धाराएँ थीं। पहले 26 खंड राष्ट्र संघ की स्थापना से संबंधित थे। शेष 414 धाराओं में जर्मनी की सज़ा का वर्णन किया गया।

सामान्य धाराएँ:

✓राष्ट्र संघ की स्थापना

✓युद्ध अपराध धारा - जर्मनी को युद्ध शुरू करने का दोष स्वीकार करना।

वित्तीय धाराएँ

✓क्षतिपूर्ति - जर्मनी को युद्ध से हुई क्षति की भरपाई करनी थी। संधि पर हस्ताक्षर के कुछ समय बाद £6,600 मिलियन का आंकड़ा निर्धारित किया गया था।

सैन्य धाराएँ

✓सेना - को 100,000 लोगों तक कम किया जाना था और किसी भी टैंक की अनुमति नहीं थी

✓नौसेना - जर्मनी को केवल 6 जहाजों और किसी भी पनडुब्बी की अनुमति नहीं थी

✓वायु सेना - जर्मनी को वायु सेना की अनुमति नहीं थी

✓राइनलैंड - राइनलैंड क्षेत्र को जर्मन सैन्य कर्मियों और हथियारों से मुक्त रखा जाना था।

प्रादेशिक उपवाक्य

✓एन्स्क्लस - जर्मनी को ऑस्ट्रिया के साथ एकजुट होने की अनुमति नहीं दी गई।

✓भूमि - जर्मनी ने कई अन्य देशों से अपनी भूमि खो दी। अलसैस-लोरेन को फ्रांस को लौटा दिया गया, यूपेन और मालमेडी को बेल्जियम को, उत्तरी श्लेस्विग को डेनमार्क को दे दिया गया। जर्मनी से भूमि छीनकर चेकोस्लोवाकिया और पोलैंड को भी दे दी गई। राष्ट्र संघ ने जर्मनी के उपनिवेशों पर कब्ज़ा कर लिया

अन्य पराजित राष्ट्र

✓वर्साय की संधि ने जर्मनी को मिलने वाली सज़ा का निर्धारण किया। अन्य संधियों ने उन देशों के भाग्य का निर्धारण किया जो जर्मनी के साथ लड़े थे - ऑस्ट्रिया-हंगरी, बुल्गारिया और तुर्की। ऑस्ट्रिया और हंगरी विभाजित हो गए और इसलिए अलग-अलग संधियों पर हस्ताक्षर किए गए

ऑस्ट्रिया - सेंट जर्मेन की संधि 10 सितंबर 1919

✓भूमि - ऑस्ट्रिया ने इटली, चेकोस्लोवाकिया और सर्बिया (यूगोस्लाविया) से अपनी भूमि खो दी।

✓सेना - 30,000 लोगों तक कम की जाएगी।

✓एन्स्क्लस - जर्मनी के साथ संघ निषिद्ध था

✓मुआवज़ा - ऑस्ट्रिया को मुआवज़ा देना था लेकिन दर निर्धारित होने से पहले ही वह दिवालिया हो गया।

हंगरी - ट्रायोन की संधि 4 जून 1920

✓भूमि - हंगरी ने ऑस्ट्रिया, चेकोस्लोवाकिया, रोमानिया और सर्बिया (यूगोस्लाविया) के हाथों अपनी भूमि खो दी और इसका आकार 283,000 वर्ग किमी से घटकर 93,000 वर्ग किमी से भी कम रह गया। जनसंख्या18.2 मिलियन से घटकर 7.6 मिलियन हो गई।

✓सेना - 35,000 लोगों तक कम की जाएगी

✓मुआवज़ा - हंगरी को मुआवज़ा देना था लेकिन राशि कभी निर्धारित नहीं की गई थी

बुल्गारिया - न्यूली की संधि 27 नवंबर 1919

✓भूमि - बुल्गारिया ने ग्रीस, रोमानिया और सर्बिया (यूगोस्लाविया) से अपनी भूमि खो दी।

क्षतिपूर्ति - बुल्गारिया को क्षतिपूर्ति के रूप में 90 मिलियन पाउंड का भुगतान करना पड़ा

सेना - बुल्गारिया की सेना के आकार पर प्रतिबंध लगा दिए गए

तुर्की - सेव्रेस की संधि 20 अगस्त 1920

भूमि - तुर्की ने ग्रीस के हाथों अपनी भूमि खो दी। राष्ट्र संघ ने तुर्की के उपनिवेशों पर कब्ज़ा कर लिया।